AH-1041 CV-19

B.A. (Part-II)

Term End Examination, 2019-20

SANSKRIT LITERATURE

Paper-II

पद्य तथा साहित्येतिहास

Time: Three Hours **[Maximum Marks: 75]**

नोट : सुवाच्य अक्षरों में सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

इकाई/unit-I

1. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए 15

(a) अलं महीपाल! तव श्रमेण प्रयुक्तमप्य–
स्त्रमितो वृथास्यात्।
न पादपोन्मूल शक्ति रहः शिलोच्चये–
मूर्च्छति मारूतस्य।।

(b) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता
पार्थिवधर्मपत्न्या।
तदन्तरे सा विरराज धेनुर्दिनक्षपामध्यगतेव
संध्या।।

(c) एकातपत्रं जगतः प्रभुत्वं नवं वयः
कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छन्विचारमूढः
प्रतिभासि में त्वम्।।

(ख) निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 10

(a) स्थितः सिथतामुच्चलितः प्रयातां
निषेदुषीमासनबन्धधीरः।
जलाभिलाषी जलमाददानां छायेव तां
भूपतिरन्वगच्छत्।।

(b) संचारपूतानि दिगन्तराणि कृत्वा दिनान्ते
निलयाय गन्तुम्।
प्रचकमे पल्लवरागताम्रा प्रभा पतङ्ग.स्य
मुनेश्च धेनुः।।

इकाई/unit-II

2. 'रघुवंश' द्वितीय सर्ग के आधार पर राजा दिलीप की गो–सेवा का वर्णन कीजिए। 10

अथवा/Or

रघुवंशम् के द्वितीय सर्ग के आधार पर राजा दिलीप का चरित्र–चित्रण कीजिए।

इकाई/unit-III

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 20

(क) केयूराणि न भूषयन्ति पुरूषं हारान
चन्द्रोज्जवलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता
मूर्धजाः।।

(ख) मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा
स्त्रिभुवनमुपकार श्रेणिभिः प्रीणयन्तः।
निजहदि विकसन्तः सन्ति सन्तः कियन्तः।।

(ग) भवन्ति नम्रास्तरवः फलोद्गमै–
नर्वाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्वताः सत्पुरूषः समृद्धिभिः,
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्।।

इकाई/unit-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यों का परिचय दीजिए। 10

(क) रघुवंश
(ख) नैषधीयचरितम्
(ग) कादम्बरी
(घ) किरातार्जुनीयम्

इकाई/unit-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए: 10

(क) ऋतुसंहार
(ख) गीतगोविन्द
(ग) शतकत्रय
(घ) पञ्चतन्त्र
(ड.) मेघदूतम्
(च) कथासरित्सागर